पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल की अध्यक्षता में के0जी0एम0यू, लखनऊ की नैक री–असेसमेंट की एस0एस0आर0 रिपोर्ट की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई
——————

सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त करना प्रसन्नता का विषय, किंतु विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल ग्रेड प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए,
गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक शिक्षा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य होना चाहिए
——————

गर्भावस्था और प्रसव से जुड़े विविध महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन अनुसंधान की आवश्यकता
——————

बिना दर्द के प्रसव विषय पर विश्वविद्यालय करे शोध
——————

विश्वविद्यालय ट्रांसजेंडर समुदाय के बीच जाकर संवाद करें और उनके लिए जागरूकता व्याख्यान आयोजित करें
————

एडवांस लर्निंग के माध्यम से छात्रों को इस तरह सिखाया जाए कि वे जटिल सर्जिकल तकनीकों में दक्ष बनें और चिकित्सा क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा मिले
—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल
———————

लखनऊः 26 अप्रैल, 2025

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज राजभवन में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) पुनर्मूल्यांकन (री–असेसमेंट) एसएसआर रिपोर्ट की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान संवर्धन, अधोसंरचना विकास तथा छात्र कल्याण से जुड़े क्षेत्रों में किए गए प्रयासों की प्रस्तुति दी गई।

बैठक की समीक्षा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय को गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन शोध कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बात पर अनुसंधान होना चाहिए कि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान भ्रूण का उत्तम विकास कैसे सुनिश्चित किया जाए, गर्भवती माता को किस प्रकार का पोषणयुक्त आहार लेना चाहिए तथा प्रसव के बाद नवजात शिशु को किस प्रकार का आहार दिया जाना चाहिए। राज्यपाल

जी ने गर्भ संस्कार की महत्ता पर बल देते हुए निर्देश दिया कि सभी विश्वविद्यालयों में इस विषय को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाए, इस पर आधारित कार्यशालाएं आयोजित की जाएं और व्यापक चर्चा की जाए।

उन्होंने कहा कि बच्चियों और भावी माता–पिता, दोनों को इस विषय पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि पिता को भी यह प्रशिक्षण अवश्य मिलना चाहिए कि गर्भावस्था के दौरान उनकी भूमिका क्या होनी चाहिए, गर्भवती माता के पोषण एवं स्वास्थ्य की देखभाल में उन्हें कैसे योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया कि इस विषय पर किताबें तैयार कराई जाएं, विद्यार्थियों को इस ज्ञान से अवगत कराया जाए और इस क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। राज्यपाल जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि 'बिना दर्द के प्रसव' पेन फ्री डिलीवरी कैसे संभव हो, इस विषय पर भी गहन शोध किए जाने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही राज्यपाल जी ने यह भी कहा कि मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल परिवर्तनों के कारण उत्पन्न होने वाली शारीरिक और मानसिक समस्याओं के निदान हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए और इस विषय पर भी शोध कार्य को प्रोत्साहित किया जाए। राज्यपाल जी ने यह उल्लेख करते हुए प्रेरित किया कि जब एक बेटी इस प्रकार के विषयों का ज्ञान अर्जित करती है, तो वह न केवल स्वयं के लिए बल्कि अपने परिवार की अन्य महिलाओं के लिए भी सहायता और मार्गदर्शन का स्रोत बनती है।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि गर्भ संस्कार, प्रसव पूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल तथा मेनोपॉज से संबंधित विषयों को आयुर्वेद से जोड़कर षोध कार्य किया जाए, क्योंकि आयुर्वेद में इन सभी विषयों से जुड़े बहुमूल्य समाधान उपलब्ध हैं। इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति का लाभ उठाकर नई पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सशक्त बनाया जाना चाहिए।

राज्यपाल जी की प्रेरणा से किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव पहल की शुरुआत की गई है। जब कोई व्यक्ति अस्पताल को मृत देह (डेड बॉडी) दान करता है, तो उनका

उपयोग शोध और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए किया जाए, इस दिशा में राज्यपाल जी की प्रेरणा से केजीएमयू के एनाटॉमी विभाग ने कैडेवरिक वर्कशॉप्स का आयोजन प्रारंभ किया, जहां मेडिकल विद्यार्थियों और विशेषज्ञ सर्जनों को जीवन–रक्षक सर्जिकल प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि एडवांस लर्निंग के माध्यम से छात्रों को इस तरह सिखाया जाए कि वे जटिल सर्जिकल तकनीकों में दक्ष बनें और चिकित्सा क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा मिले।

राज्यपाल जी ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि कैडेवरिक वर्कशॉप्स के माध्यम से मेडिकल छात्रों को जोखिम–मुक्त वातावरण में सर्जरी का वास्तविक अभ्यास करने का अवसर मिलता है। इससे न केवल विद्यार्थियों के कौशल में वृद्धि होती है, बल्कि शोध के क्षेत्र में भी नवाचार के नए रास्ते खुलते हैं। उनके मार्गदर्शन से केजीएमयू ने एक ऐसा मंच विकसित किया है जो समाज के लिए बहुत उपयोगी है। राज्यपाल जी का स्पष्ट निर्देश है कि इस कार्य को और भी व्यापक स्तर पर बढ़ाया जाए ताकि चिकित्सा क्षेत्र को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सके।

उन्होंने बैठक में विशेष जोर देते हुए कहा कि सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त करना प्रसन्नता का विषय है, किंतु विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल ग्रेड प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक शिक्षा प्रदान करने को अपना प्राथमिक लक्ष्य बनाना चाहिए, ताकि छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के बीच जाकर संवाद करें और उनके लिए जागरूकता व्याख्यान आयोजित करें। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी शिकायतें व सुझाव फीडबैक फॉर्म के माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया और कहा कि यदि कोई कमी या समस्या विद्यार्थियों के द्वारा बताई जाए तो उसका तत्काल समाधान किया जाए। अध्यापकों को विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद स्थापित करना चाहिए, उनका फीडबैक लेना चाहिए और आवश्यक सुधार कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक सुधार

सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि संस्थान शैक्षणिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

राज्यपाल जी ने बैठक के दौरान कहा कि विश्वविद्यालय को स्लो लर्नर्स की पहचान कर उनके लिए विशेष व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि वे भी शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने, तथा लाइब्रेरी के अधिकतम उपयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करने पर बल दिया तथा निर्देश दिया कि दीक्षांत समारोह के समय ही विद्यार्थियों की समस्त डिग्रियाँ डिजिलॉकर में अपलोड कर दी जाएं।

उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि केवल कैंपस के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर जाकर भी विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त गतिविधियाँ आयोजित की जाएं। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों और क्षय रोग (टीबी) से ग्रसित मरीजों की सहायता एवं सेवा कार्यों में भी विश्वविद्यालय को और अधिक भागीदारी निभानी चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने जिन गाँवों को गोद लिया है, वहाँ जागरूकता अभियान तेज गति से चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित रेडियो का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी का प्रसार किया जाए। राज्यपाल जी ने विशेष रूप से कहा कि आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ सही पात्र व्यक्तियों तक पहुँचना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालय को विकलांग जनों के कल्याण हेतु कार्य करने तथा नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए भी निर्देशित किया।

उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी पूर्ण कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) के साथ कार्य करें और विश्वविद्यालय को सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त कराने हेतु सतत प्रयासरत रहें। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में गुणवत्ता सर्वोपरि है, और केजीएमयू को अपनी उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निरंतर

प्रगति करनी चाहिए। सभी मिलकर विश्वविद्यालय को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान का एक आदर्श केंद्र बनाएं।

इस अवसर पर बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ0 पंकज एल0 जानी, के0जी0एम0यू0 की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानंद एव विश्वविद्यालय की नैक टीम के सदस्य सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

————————

डॉ0 संगीता चौधरी–सूचना अधिकारी/राजभवन
मो0–9161668080